BHARATHI COLLEGE OF EDUCATION

An Abode of Education

Kandri, Mandar, Ranchi

Session 2021-23

B.Ed. (2^{nd} Year)

TOUR REPORT

A Trip to Kullu, Nagar, Manali, & Chandigarh

Guidance By -

Prof. Rakesh Kumar Rai
Prof. Manoj Kumar Gupta
Prof. Vivek Raj Jaiswal
Prof. Kripa Shankar Sinha
Dr. Ribha Kumari
Dr. Binita Chowdhary
Dr. Salma Khatoon

Submitted by –

Name – Deepa Kumari
Roll No – 53

Attested

Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

प्रमाण – पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **दीपा कुमारी**, क्रमांक – **53** Ranchi University Ranchi द्वारा मान्यता प्राप्त **''भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन कन्दरी, माण्डर, राँची** के B.Ed. Course (सत्र 2021–2023) के छात्रा हैं।

इन्होंने ''भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन कन्दरी, माण्डर, राँची के द्वारा आयेजित **कुल्लू, नगर, मनाली, एवं चंडीगढ़** के अन्तर्गत पर्यटन स्थलों के शैक्षणिक परिभ्रमण में हिस्सा लिया और ज्ञान अर्जन किया।

शैक्षणिक परिभ्रमण के दौरान इन्होंने एक दूसरे का सहयोग किया एवं इनका आचरण संतोषजनक रहा।

प्रभारी प्रचार्य

भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन
कन्दरी, माण्डर, राँची

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

आभार ज्ञापन

शिक्षा मुख्य रूप से द्विपक्षीय प्रक्रिया है। जिसमें सीखना और सीखाना महत्वपूर्ण है। बी0 एड0 कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक स्तर पर निर्देशन, परामर्श आदि दोनों क्षेत्रों का महत्वपूर्ण स्थान है।

बी0 एड0 कार्यक्रम को पूर्ण करने में समस्त व्याख्यातागण का सहयोग रहा। इसमें हमें शैक्षणिक परिभ्रमण हेतु **कुल्लू, नगर, मनाली, एवं चंडीगढ़** से जुड़ी हुई अनेक जानकारीयाँ प्राप्त हुई।

मैं सक्रिय कार्य के लिए सबसे पहले महाविद्यालय भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन के शैक्षणिक सचिव **दीपाली परासर** और हमारे प्रभारी प्राचार्य व्याख्याता **राकेश कुमार राय, व्याख्यता मनोज कुमार गुप्ता, विवेक राज जयसवाल, बिनीता चौधरी, रिभा कुमारी, सलमा खातुन, कृपा सिन्हा** ने विशेष योगदान दिया जिसके लिए मैं आप सभी को विशेष आभार एवं कृतज्ञता का भाव व्यक्त करती हूँ। जिनके निर्देशानुसार सक्रिय कार्य को पूर्ण किया।

धन्यवाद।

प्रशिक्षु का नाम – **दीपा कुमारी**
रोल न0 – **53**
कक्षा – **बी0एड0 (द्वितीय वर्ष)**
सत्र – **2021 – 23**

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

S.N.	Particulars	Page no.	Remark
1.	सैद्धांतिक पक्ष - भ्रमण की भूमिका महत्व , उद्देश्य	1-7	
2.	शैक्षणिक भ्रमण का विवरण	8	
3.	कुल्लू	9.	
4.	मनाली	10-11	
5.	Day -1	12-14	
6.	Day -2	15-16	
7.	Day - 3	17-18	
8.	Day -4	19-21	
9.	Day - 5	22-25	
10	Day-6	25-27	
11.	Day-7	28-32	
12	Day - 8	33-	
13.	Day-9	34	
14	मेरा अनुभव	35	

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

DIAL 139
No Entry
No Entry
OURISM Pvt. Ltd.
CHANDIGARH & MANALI
BHARATHI COLLEGE OF EDUCATION

प्रस्तावना

पर्यटन जीवन का प्रमुख अंग है. वर्तमान समय में शैक्षिक भ्रमण का शिक्षा के क्षेत्र में विशेष महत्व है। छात्र किसी ऐतिहासिक अथवा सांस्कृतिक महत्व के स्थल का अवलोकन एंव निरीक्षण कर अपने ज्ञान का संवर्धन कर पाते हैं।

वर्तमान समय में शैक्षिक भ्रमण छात्रों को प्रत्यक्ष ज्ञान प्रदान करने का बहुत ही उपादेयता इसकी समुचित क्रियान्वयन पर निर्भर करता है। इस प्रकार प्रत्येक विषय की शिक्षा में शैक्षिक भ्रमण का स्थान और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। क्योंकि ये शैक्षिक भ्रमण के द्वारा शिक्षा का नीरस वातावरण समाप्त हो जाता है और छात्रों में रोचकता आती है।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

सैद्धांतिक पक्ष

शैक्षिक भ्रमण की भूमिका

पाठ्यक्रम के साथ साथ शिक्षण में ऐतिहासिक स्थलों तथ्यों एंव घटनाओं का पर्याप्त ज्ञान कराने. कक्षा का नीरस हुए वातावरण एंव छात्रों के प्रत्यक्ष अनुभव, ज्ञानइन्द्रियों के विकास स्वास्थ्य एंव मनोरंजन की दृष्टि से पर्यटन का आयोजन कराया जाता है।

शैक्षिक भ्रमण में ऐतिहासिक पर्यटन सामग्री का भी आयोजन किया जाता है जिसके लिए पर्यटन का इतिहास शिक्षा अत्यंत उपयोगी है तथा समुचित क्रियान्वय के अंतर्गत उपयोगी तथा वे सभी क्रियाएँ आ जाती है जिसका सम्बध शिक्षण में कक्षा कार्य में होता है।

शिक्षण में पर्यटन के कई नामों से जाना जाता है। शब्द कोश में पर्यटन शब्द के अर्थ को स्पष्ट करते हुए लिखा गया है।

Attested

Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

शैक्षिक भ्रमण का उद्देश्य

1.) शैक्षिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य अपने प्रांतो से बाहर जा कर वहाँ की शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी अर्जित करना है।

ii) सामाजिक परिवेश में सामूहिक अतः क्रिया का विकास होता है।

iii) एक दुसरे के साथ दूसरों की सांस्कृतिक व्यवस्थाओं को जानने का अवसर मिलता है।

iv) राष्ट्रीय एकता का विकास होता है।

v) नवीन ज्ञान की प्राप्ति होती है।

vi) सामाजिकरण का विकास होता है।

vii) प्रत्यक्ष अनुभव की प्राप्ति होती है।

viii) ज्ञानइन्द्रियो, इन्द्रियों का विकास के साथ मानसिक व सामाजिक प्राणी बनने का प्रशिक्षण प्राप्त होता है।

ix) शैक्षिक भ्रमण से स्वस्थ मनोरंजन के साथ-साथ छात्रों के ऐतिहासिक ज्ञान में वृद्धि करता है।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

10. शैक्षिक भ्रमण से छात्र एवं शिक्षक के संबंध मधुर हो जाते हैं।

10.) विद्यालय पर्यटन शैक्षिक उद्देश्य के लिए विद्यालय द्वारा व्यवस्थित पर्यटन हो, जिसमें छात्र उन स्थानों से जहाँ शिक्षण की सामग्री प्रत्यक्ष अवलोकन से हो सके इनका क्रियात्मक परिस्थितियों के प्रत्यक्ष रूप से अध्ययन किया जा सके।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

Attested

शैक्षिक भ्रमण का महत्व

1.) शैक्षिक भ्रमण हमारे ज्ञान में वृद्धि करता है। इसके माध्यम से हमारे सभी पदों का ज्ञान उभर कर आता है।

2.) इसके द्वारा विभिन्न स्थलों के भ्रमण से पुस्तकों में पढ़ी धुंधली दर्वी प्रकाशित होकर साकार हो जाती है।

3.) भ्रमण संसार के व्यवहारिक ज्ञान को प्राप्त करने का सुनहरा अवसर प्रदान करता है। इस दौरान विभिन्न व्यक्तियों व्यक्तियों के साथ सम्पर्क होता है जो हमारे ज्ञान को बढ़ाता है।

4.) मस्तिष्क के स्वस्थ्य विकास के लिए भ्रमण अति आवश्यक है टैगोर ने कहा था की भ्रमण के माध्यम से बच्चे जल्दी अधिगम कर पाते हैं।

5.) विभिन्न विषयों के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

1.) ज्ञान में वृद्धि :-

शैक्षिक भ्रमण हमारे किताबी ज्ञान में वृद्धि करता है। भ्रमण के सहारे इतिहास हमें वास्तविक दिखता है तथा समुचा भुगोल साकार हो उठता है. इससे अर्थशास्त्र के सिद्धांत की परीक्षा होती है। समाज और नई चुनौतियाँ उभर आती है। समाज शास्त्र के नींव मजबूत हो जाती है। ऐतिहासिक महत्व के स्थानों के भ्रमण से पुस्तकों में पड़ी छवि प्रकाशित होकर सकार हो जाती है।

2.) संसार के व्यवहारिक ज्ञान की प्राप्ती

शैक्षिक भ्रमण छात्रों को संसार के व्यावहारिक ज्ञान को अनुभव करने का अवसर प्रदान करता है। प्रसिद्ध कवि पोप ने ठीक ही कहा है कि मानवता का सही अध्ययन मनुष्यों के अध्ययन से ही हो सकता है। भ्रमण के दौरान तरह के व्यक्तियों से हमारा सम्पर्क होता है।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

3. स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य

मस्तिष्क के विकास के लिए भी भ्रमण का अति आवश्यक है। रविन्द्रनाथ टैगोर का कहना है की मान का स्वास्थ चुनी हुई पुस्तकों की दिवारें से घिरे स्कूल की गतिहीन कक्षाओं से पढ़ाई से नहीं सुधार सकता है। यह भी कहा जाता है कि स्वस्थ्य शरीर मैं ही स्वस्थ्य मस्तिष्क का विकास होता है।

4.) दृष्टिकोण विस्तृत होता है

शैक्षिक भ्रमण से हमारा दृष्टिकोण विस्तृत होता है। इससे हमारे विचारों और दृष्टिकोण विस्तृत होता है। इसके द्वारा हमारे मन मैं मानवता के प्रति सहानुभूति जाग्रत होती है। विविध प्रकार का अनुभव प्राप्त कर हम घटनाओं और वस्तुओं को एक नई शिक्षा से देखना सिख जाते है। इससे मुल्यों के प्रति हमारा सही दृष्टिकोण विकसित होती है।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

5) व्यापार और वाणिज्य को समझने का अनुभव :-

शैक्षिक भ्रमण के दौरान छात्र विभिन्न राज्यों के व्यापार और वाणिज्य की भी व्यवहारिक जानकारी प्राप्त और वाणिज्य की भी व्यवहारिकता जानकारी प्राप्त करते है। वहां के स्थानिय व्यवस्था को देखकर यह अनुभव लगा सकते है की वहाँ की जीवन मापन मुख्य साधन क्या-क्या हो सकता है।

6) शैक्षिक भ्रमण का ज्ञानात्म

शैक्षिक भ्रमण से ज्ञानात्म तथा प्रयोगात्मक योग्य तथ्यों का विकास होता है। छात्र में निरक्षण कल्पना का विकास तथा निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है।

7) छात्रों का वास्तविकता अनुभव :-

शैक्षिक भ्रमण द्वारा छात्रों को वास्तविकता भ्रमण अनुभव कराया जाता है क्योंकि आँखों देखी चीज मस्तिष्क में लम्बे समय तक याद रह पाती है।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

शैक्षिक भ्रमण का मुख्य विवरण

भ्रमण पर जाने की तिथि :- 9/12/2022

भ्रमण पर जाने का स्थान :- कुल्लू, नागौर, मनाली, मणिकरण, चंडीगढ़।

भ्रमण की अवधि :- 9 दिन

भ्रमण व्यवस्थापक :- पीयूष सर
उत्तम सर
अमित सर

शिक्षकों की संख्या :- 7

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

Ranchi University, Ranchi

कुल्लू (Kullu)

कुल्लू भारत के हिमाचल प्रदेश राज्य के कुल्लू जिले में स्थित एक नगर है। यह जिले का मुख्यालय भी है। कुल्लु घाटी व्यास नदी के किनारे बसा हुआ है कुल्लु उत्तर भारत का एक प्रसिद्ध पर्यटक स्थल है।

कुल्लु की घाटी को देवताओं का घाटी भी कहा जाता है। बसंत के मौसम में तो कुल्लु जैसी जगह लाजवाब हो जाती है। यहाँ जब गुलाबी और सफेद फुल चारों तरफ खिल जाते है तो जो दृश्य उपस्थित होता है उसको शब्दों में बयान करना कठिन है।

जब शारद ऋतु आती है तो नील। आसमान एकदम निर्मल दिखाई देने लगता है। दिसम्बर महीने तक हरियाली चली जाती है। लेकिन अब भी जंगल में लम्बे चौड़े देवदार के उचे पेड़ सिर उठाए खड़े रहते है। सर्दियाँ आने पर पहाड़ो की ढलानों पर बर्फ की सफेद चादर सी बिछ जाती है। इस बात में कोई शक नहीं है कि यह पश्चिमी हिमालय की सबसे खुशनुमा जगह है।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

Ranchi University, Ranchi

Attested

Principal

मनाली (Manali)

मनाली भारत के हिमाचल प्रदेश राज्य के कुल्लू जिले में स्थित एक नगर है। यह 1.950 मीटर (6,398 फीट) की ऊँचाई पर व्यास नदी के किनारे कुल्लु घाटी के उत्तरी छोर पर बसा हुआ है। मनाली राज्य की राजधानी शिमला से 270 किमी उत्तर में चंडीगढ़ से 309 किमी पूर्वोत्तर में और दिल्ली से 544 किमी पूर्वोत्तर में स्थित है।

मनाली पर्यटकों की पहली पसंद है और यह ऐसा हिल स्टेशन है जहाँ पर्यटक सबसे ज्यादा आते हैं। मनाली, कुल्लु जिले का एक हिस्सा है जो हिमाचल की राजधानी शिमला से 270 km की दूरी पर स्थित है।

हिन्दू पौराणिक कथाओं के अनुसार मनाली का नाम मनु से उत्पन्न हुआ है जिन्हें सृष्टि के रचिता भगवान ब्रह्मा ने बनाया था ऐसा माना जाता है कि मनु इसी जगह पर जीवन के सात चक्रों में बने और मिटे थे। मनाली की हिन्दू धर्म में काफी मान्यता है।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

Ranchi University, Ranchi

सैलानियों का स्वर्ग कहलाने वाली इस जगह में वे सभी खुबियां है जो किसी भी पर्यटन स्थल में होनी चाहिए।

यहाँ के हिमाच्छादित पर्वत शिखर आसमान से बातें करते है तो इसकी हरी-भरी घाटियाँ नीचे से नीचे चलती जाती है। कल-कल बहती निर्मल नदियाँ तेज चाल में जब चलती बढ़ती है तो यह जीवन की सारी थकान हर लेती है। झीलों को देखना किसी सम्मोहन से कम नहीं है।

मनोरम पर्यावरण स्थल मनाली

मानवालय यानी मनु के आवास से मनाली का नाम पड़ा है। मनु जी मानव जाति के पिता कहे जाते है। उन्होंने अपने आवास के लिए बहुत ही मनोरम पर्यावरण को चुना। मनाली अभी भी अपने आकर्षण और खुबियों को उसी तरह संजोए हुए है।

एक तरफ हिमालय की शान नगर के बीचोबीच से गुजरती व्यास नदी घास के मैदान से सजी बलखाती हरी भरी घाटी उसमें चरती बकरियाँ सेवों के बगान और लोक गीत इसकी छटा में चार चाँद लगा कर किसी भी पर्यटक का मन मोह लेते है।

Ranchi University, Ranchi

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri Mandar, Ranchi

प्रथम दिन Day-1

स्थान :- Ranchi Railway station

समय :- 4:30 PM

दिनांक :- 9/12/2022

दिनांक 9/12/2022 दिन शुक्रवार को हम सभी B.Ed (2021-23) के छात्र-छात्राएं तथा D.El.Ed की छात्र-छात्राएं सम्मिलित रूप से दोपहर 2:00 pm बजे निर्धारित समयानुसार राँची रेलवे स्टेशन पहुँचे। जहाँ हमारे भारती कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्राचार्य उपेन्द्र उपाध्याय सर बी.एड. के HOD राकेश सर, D.El.Ed के HOD मनोज सर एवं सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं - विवेक सर, विनिता मैडम, रिभा मैडम, सलमा मैडम तथा अर्चना मैडम सभी उपस्थित थे। सर्वप्रथम हम सभी छात्र-छात्राएं एक जगह पर एकत्र हुए तथा अर्चना मैडम सभी उपस्थित थे। सर्वप्रथम हम सभी छात्र-छात्राएं एक जगह पर एकत्र हुए तथा हम सभी छात्र-छात्राओं एक जगह पर एकत्र हुए तथा गणना हुई तथा उपस्थिति दर्ज करायी गयी साथ ही साथ

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

सभी छात्र - छात्राओं को उनकी कोच संख्या सीट संख्या बताई गई सभी शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ हमारा ग्रुप फोटो भी लिया गया।

सभी शिक्षक शिक्षिकाओं के सम्मिलित निर्देशन तथा उनके नेतृत्व में हम सभी छात्र - छात्राएँ ट्रेन संख्या - 12877 NEW DELHI GARIB RATH EXPRESS (Ranchi to Delhi) में सवार हुए जिसमें मुझे कोच - 14 में दिया गया। अब हमारी ट्रेन राँची से दिल्ली की ओर निर्धारित समय 4:30 PM में प्रस्थान कर चुकी थी।

हम सभी छात्र - छात्राएँ अपने इस शैक्षिक भ्रमण को हेतु काफी उत्साहित थे तथा ट्रेन के प्रस्थान होने के पश्चात हमारी उत्सुकता और भी काफी बढ़ चुकी थी हमारी ट्रेन विभिन्न स्टेशनों को पार कर रही थी।

हमें 7:15 PM रात्रि का भोजन कराया गया IRCTC द्वारा भ्रमण व्यवस्थापक अमित सर के द्वारा प्रबंध किया गया रात्रि के भोजन में चावल, रोटी, आलू, चना

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

की सब्जी तथा आलू फुलगोभी की सब्जी मिठा मिला। हम सभी सहपाठियों ने मिलकर भोजन किया।

भोजन करने के पश्चात् हम सभी सहपाठियों ने थोड़ी बाते की थोड़ी हँसी ठिठोली की तथा रात काफी होने के कारण हम सभी अपनी-अपनी सीट पर चले गए। परन्तु हमारी ट्रैन अपनी मंजिल की ओर दौड़ते ही जा रही थी।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

Attested

Principal

दुसरा दिन Day - 2

Date 10/12/22

हमारा दुसरा दिन हम सुबह 8 AM तक फ्रेश हो गए फिर हमें 8:12 में नास्ता मिला। आज नास्ते में हमें — ब्रेड, जैम, मुंगहाल्व, सोनपापड़ी और चाय मिला साथ में सभी को एक-एक पानी का बोतल भी दिया गया।

स्थान —: Delhi Junction (12871)

समय :— 1:12 pm

हम सभी दिल्ली स्टेशन पहुँचे वहाँ पहुँचकर हम सभी लोग सारी शिक्षको के अदेशानुसार एक जगह साथ में थे फिर से हमारी गिनती की गई ताकि कोई छुट ना सके। दोपहर 2:00 PM हमें दोपहर का खाना मिला जिसमें हमें — राजमा चावल, दाल, आलु, फुलगोभी की सब्जी, रोटी भोजन काफी स्वादिष्ट थे।

उसके बाद हमारी अगली ट्रेन थी Jansatabadi express delhi to chandigarh जो 2:25 में दिल्ली जंक्सन से चंडीगढ़ के लिए रवाना हो गई

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

शाम 6:49 pm में हम चण्डीगढ़ स्टेशन पहुंचे गए उसके बाद हम सभी एक दूसरे का सहयोग करते सभी समानों को स्टेशन से बाहर पार्किंग एरिया में ले गए जहाँ कुछ देर के इंतजार के बाद वहाँ Tourist van आयी जिस पर बैठ कर हमें चण्डीगढ़ से मनाली जाना था।

van पर बैठने के लिए हमें ग्रुप में विभाजित किया गया था जिसमें हमें 3 ग्रुप के लोग एक वैन में बैठे तथा एक शिक्षक जिसमें हमारे साथ मनोज सर भी थे तथा सभी वैन एक - एक कर मनाली के लिए रवाना हो गयी रास्ते में हम काला ढाबा पर रुके हम सभी ने वहाँ रात्रि का भोजन किया तत्पश्चात किसी कारणवश शिक्षकों के अदला बदली की गई।

चण्डीगढ़ से मनाली के लिए हमारा सफर शुरु हो गया हमारा यह सफर रात्रि का था जिसमें हम पहाड़ों के बीच होते हुए अगले दिन की सुबह मनाली The River Grand Resort पर पहुंचें गए।

Attested
Principal
Bharathi College of Education

तीसरा दिन Day-3

Date 11/12/22

स्थान - मनाली

आज हम सभी सुबह 9:30 में The River Grand Resort पर पहुँचे हम मनाली में थे वहाँ के ऊँचे-ऊँचे पहाड़ो की सुंदरता कहीं बर्फ से ढके पहाड़ो की ऊंची चोटी देखते ही बनती थी मानो वो पहाड़ मन को हर रही हो इतनी सुंदर बस देखते ही बनती थी हम सभी बहुत खुश थे साथ ही काफी उत्साहित भी थे वहाँ इन नजारो को देखने के जो हमारे सामने उपस्थित था उसे देखकर भी काफी आनंदित हो रहे थे।

हमें ग्रुप में विभाजित किया गया था और इसी ग्रुप के अनुसार हमें रूम भी दिया गया था। हम अपनी रूम में गए अपने समानो अरेंज किया फिर एक-एक करके हम सभी फ्रेश हो गए। 10:30 Am में नाश्ता के लिए गए जिसमें हमें सैंडविच, आलू पराठा, पोहा, अंडा, coffee मिला था।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kendri, Mandar, Ranchi

खाने के पश्चात हम सभी आराम करने अपने अपने रूम में चले गए जहाँ थोड़ी देर आराम करने के बाद हम तैयार होने का निर्देश दिया गया जिसमें शैक्षणिक कार्यक्रम के अनुसार हमें आज मनाली मॉल रोड शॉपिंग के लिए जाना था हम करीब 2:30 बजे मनाली मॉल रोड के लिए निकल गए हमारे Resort से मॉल रोड 20 min की दूरी पर था।

मॉल रोड पहुंचने के पश्चात हमें वहाँ घूमने का समय देकर शॉपिंग के लिए छोड़ दिया गया जिसमें हम सभी अपनी अपनी खरीदारी में जुट गए। कुछ देर घूमने के बाद हम पुनः सभी एक जगह एकत्र हुए तथा सभी शिक्षकों के साथ हम अपनी अपनी वाहनों पर सवार होकर वापस लौट गए जहाँ रात के 8:00 बजे हमें रात्रि का भोजन कराया गया तथा हम सभी काफी लम्बे सफर से आने के कारण काफी थके हुए थे इसलिए विश्राम के लिए सभी अपने अपने कमरों में चले गए।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

ATAL TUNNEL,

चौथा दिन Day-4

स्थान :- अटल टनल, सोलांग वैली, रोहतांग पास

समय :- 9:30AM

दिनांक :- 12/12/22

आज हमें भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार अटल टनल, रोहतांग पास, सोलांग वैली जाना था। अतः प्रातः हम सभी छात्र-छात्राएँ भ्रमण हेतु तैयार हो गए हमें प्रातः 8: AM नाश्ता मिला। हम सभी छात्र-छात्राएँ नाश्ता करने के पश्चात अपने अपने ग्रुप के अनुसार भ्रमण हेतु जो वाहन दिया गया था उस पर सवार हो गए साथ ही हमारे ग्रुप की शिक्षिका भी हमारे साथ उस वाहन पर ही सवार थी। हम सभी छात्र-छात्राएँ काफी उत्सुक थे।

हम सभी छात्र-छात्राएँ लगभग 9:30 बजे अटल टनल जाने के लिए Resort से प्रस्थान कर चुके थे। हम सभी रास्ते में एक दुकान के पास रुके जो व्यास नदी के किनारे स्थित था वहाँ से हम सबने Snow dress लिया। ड्रेस लेने के पश्चात् हम सभी छात्र-छात्राएँ पुनः अपनी मंजिल के लिए निकले

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

हम सभी दोपहर 1:05 के लगभग अटल टनल पहुँच चुके थे अटल टनल जिसकी लम्बाई 9.2 Km था जिसको पार करने में हमें लगभग हमें 10 min का समय लगा।

अटल टनल पार कर हम सभी रोहतांग पास पहुँच गए। सभी छात्र छात्राओं अपने अपने ग्रुप वाहनों से उतरकर व्यास नदी पर बने पुल को पार करके रोहतांग पास की ओर बढ़े। चारो ओर पहाड़ो पर बर्फ ही बर्फ दिखाई दे रहे थे सभी एक दुसरे से बाते करते हुए इस सुंदर दृश्य का लुफ्त उठा रहे थे। हम सभी रोहतांग पास में पहुँच कर वहाँ बर्फ में खुब मस्ती किए तथा वहाँ डेढ़ से दो घण्टा समय बिताकर हम सभी सोलांग वैली के लिए निकल गए।

लगभग 4:25 बजे सोलांग वैली पहुँचे। सोलांग वैली जिसे 'Snow Point' के रूप में जाना जाता है। मनाली के पास एक बर्फ आकर्षक बर्फ से ढका युटोपिया है और सोलांग गाँव व्यास कुण्ड के बीच स्थित है। सोलांग घाटी की यात्रा करने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

फरवरी के बीच बर्फबारी, उप-शुन्य तापमान और सर्दियों की गतिविधियों के लिए होता है।

सोलंग वैली में अनेक रोमांचक गतिविधियाँ करायी जाती है जैसे :- पैराग्लाइडिंग याक राइडिंग, जोरबिंग, जिपलाइन, घुड़सवारी आदि करायी जा रही थी। वहाँ के स्थानीय लोग पर्यटकों के स्थानीय पोशाक पहनने का भी अवसर प्रदान कर रहे थे।

इस गतिविधि के करने के पश्चात हम सभी The River Grand जाने के लिए रवाना हुए। हम शाम के 6:00 Resort पहुँचे। Resort पहुँचने के बाद हम सबने 6:30 बजे दोपहर का खाना खाया। आज के दिन हमलोग बहुत ज्यादा थके हुए थे। अतः विश्राम करने के लिए अपने अपने कक्ष में चले गए।

भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार हम सभी छात्र छात्राओं के लिए Dj Night Party का आयोजन किया गया था। हम सबने Party का पूर्ण लुत्फ उठाया। इसके बाद रात्रि के भोजन कराया गया। आराम करने के लिए अपने अपने कक्ष को चले गए।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

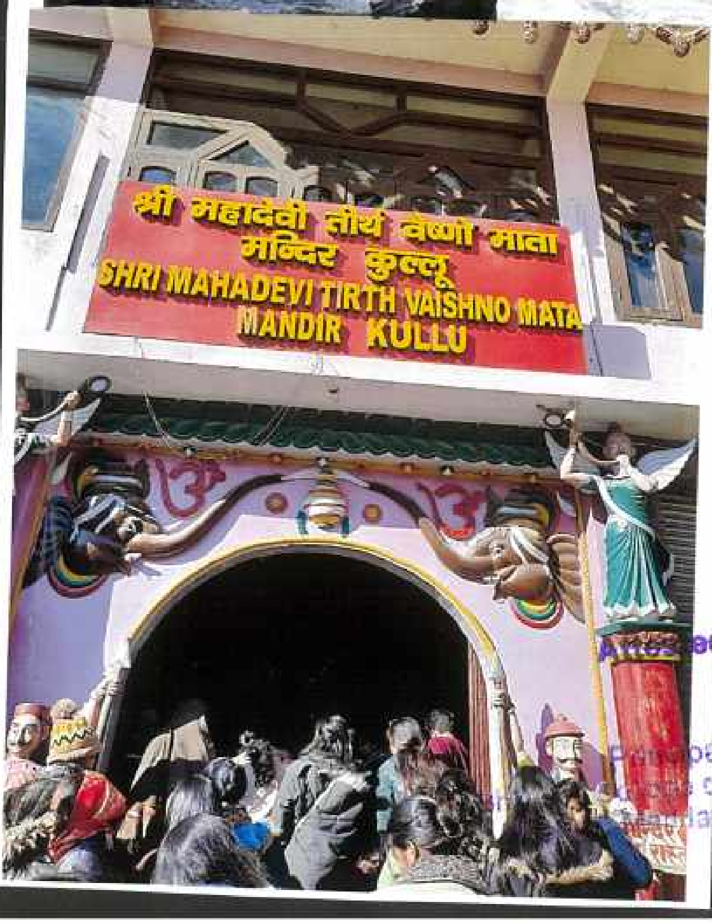
श्री महादेवी तीर्थ वैष्णो माता
मन्दिर कुल्लू
SHRI MAHADEVI TIRTH VAISHNO MATA
MANDIR KULLU

पाँचवा दिन Day - 5

स्थान :- माता वैष्णो देवी मंदिर कुल्लू, नागेर

समय :- 9:24 AM

दिनांक :- 13/12/22

दिनांक 13/12/22 दिन मंगलवार को सुबह 5 बजे उठी आज भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार माता के वैष्णो देवी मंदिर कुल्लू तथा नागेर जाना था। अतः रात्रि में ही निर्देश दिया गया था प्रातः 7 बजे तक नाश्ता के लिए तैयार हो जाना है हम सभी को 7:10 में नाश्ता मिला नाश्ता करने के पश्चात् हम सभी छात्र-छात्राएँ गाड़ी में आ गई तथा हम सभी 9:24 वैष्णोदेवी मन्दिर कुल्लू के लिए निकल गए। हम सभी गाड़ी में मस्ती करते हुए अंताक्षरी खेलते हुए हँसते जाते हुए सफर कर रहे थे। रास्ते में हमें अति लुभावने दृश्य आकर्षित कर रहे थे साथ ही साथ रास्ते के किनारे घाटियाँ हमें रोमांचित कर रही थीं।

Attested

Principal

Bharati ... of Education

हम सभी 10:25 AM माता वैष्णोदेवी मंदिर पहुँचे। माता वैष्णोदेवी के मंदिर के किनारे बह रही व्यास नदी अत्यंत मन भावन था चूँकि हम सभी मंदिर आए हुए थे तो हम मंदिर की ओर चले गए। मंदिर प्रवेश द्वार के पास ही अपने अपने जूते - चप्पलों को उतारा तथा मंदिर में प्रवेश किया मंदिर का वातावरण अत्यंत ही शांत था। हमने मंदिर के चढ़ावे के लिए पूजा के सामग्री खरीदी तथा मंदिर के अंदर गुफा से होते हुए माता वैष्णोदेवी तक पहुँचे वहाँ पुजारी के द्वारा पूजा कराया गया तत्पश्चात् हमने मंदिर में स्थित सभी देवी देवताओं को शीश नवाते हुए मंदिर में स्थित एक दुकान पर जा पहुँचे जहाँ से मैंने अपनी पसंद की कुछ चीजें तथा कुछ पुस्तके भी खरीदीं।

मंदिर से निकलने के पश्चात् हम सभी वहाँ से नागेर के लिए रवाना हो जाए। हम माता वैष्णोदेवी मंदिर से नागेर जाने वाले मार्ग में अनेक मनमोहक दृश्यों का अवलोकन करते हुए जा रहे थे नागेर जाने के क्रम में ही हमारा सभी ग्रुप 12:47 pm के लगभग Pashmina Weavers

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

में एक जहाँ से हम सबको खरीददारी करने का मौका दिया गया। यहाँ से निकलने के बाद हम पुनः अपनी मंजिल नागौर की ओर बढ़े नागौर जाने के क्रम में रास्ते में तरह तरह की दुकानें दिखायी पड़ी रही थी जो की अत्यंत ही लुभावना था परन्तु हम अपनी मंजिल की ओर केन्द्रित करते हुए नागौर की ओर बढ़ते आए और लगभग 1:42 के लगभग हम नागौर में स्थित रोरिक आर्ट गैलरी पहुँचे जहाँ घुसने के लिए हमें 5 रु का एक टिकट लेना पड़ा। रोरिक आर्ट गैलरी में कुछ पेंटिंग तथा सम्बंधित आर्ट थी

रोरिक आर्ट गैलरी हिमाचल प्रदेश में स्थित कुल्लू जिले के नागौर शहर में स्थित है। निकोलस रोरिच एक रूसी कलाकार थे जो 1947 में बोल्शेविक क्रांति के बाद रूस से भारत आया था भारत में आने के बाद इन्होंने कई चित्र बनाएँ और एक आर्ट गैलरी की स्थापना की। गैलरी में लगे लगभग हर चित्र में हिमालय पर्वत की खूबसूरती को दिखाया गया है।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

गैरिक आर्ट गैलरी तथा संग्रहालय घूमने के बाद हम वापस अपने Resort के लिए निकल गए।

हम सभी करीब 4PM अपने Resort पर पहुँचे जहाँ हमने दोपहर का खाना 4:10 के लगभग खाया तथा आज के दिन हम बहुत ज्यादा थक गए थे जिस वजह से सभी अपने अपने रूम में आराम करने चले गए। भ्रमण कार्यक्रम के लिए 8:00PM – 9:30PM Dj night party का आयोजन किया गया था। हम सबने इस party का खूब लुत्फ उठाया तथा करीब 10:00PM में हम सभी ने रात्रि का भोजन कर हम सभी अपने रूम में विश्राम के लिए चले गए।

Attested

Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

Attested

Principal

सातवाँ दिन Day-7

स्थान :- चण्डीगढ़ लोकल भ्रमण

समय :- 11:00 AM

दिनांक :- 15/12/22

आज के भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार हमें चण्डीगढ़ में ही घूमना था रात के निर्देशानुसार हम सभी अपना सामान पैक कर नाश्ता के लिए 9:00 AM तक तैयार हो गए थे। हमें 9:30 में नाश्ता मिला हमें नाश्ते में पुरी सब्जी, ब्रेड बटर तथा चाय मिला। नाश्ता काफी अच्छा था।

नाश्ता करने के पश्चात् हम सभी लगभग 11: बजे Hotel Re-Birth से checkout कर अपने समानों को लेकर गाड़ियों के पास पहुँचे जहाँ हमें चण्डीगढ़ में भ्रमण हेतु दुसरी गाड़ियों की व्यवस्था की गई थी।

हम सभी होटल से निकल हम सभी मनसा देवी मंदिर जा रहे थे। रास्ते में सभी एक दुसरे से बातें करते रहे थे साथ ही साथ हमारे शिक्षक भी काफी सहयोग कर रहे थे

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

हम 12:50 PM लगभग मनसा देवी मन्दिर पहुँचे। वहाँ पहुँचने के पश्चात् हम मंदिर में गए। मंदिर में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ थी। मंदिर में जाने के लिए लाइन लगी हुई थी किन्तु सभी शिक्षकों के द्वारा हम वहाँ प्रवेश किए। मंदिर में दर्शन किए, प्रसाद लिया तथा मंदिर के प्रांगण में सहपाठियों के साथ उस लम्हे को फोन में कैद किया। फिर हम सभी मंदिर से निकलकर अपने अपने शिक्षकों के साथ वाहन में बैठ गए।

मनसा देवी मंदिर से निकलने के पश्चात् हम सभी सुखना लेक के लिए निकल गए। सुखना लेक मनसा देवी मंदिर से ज्यादा दूरी पर स्थित नहीं था हम लगभग 1:30 बजे सुखना लेक वहाँ के परिदृश्यों के कैमरा में कैद किया। सुखना लेक में कुछ समय बिताने के बाद छात्र छात्राएँ वापस अपने अपने वाहनों पर सवार हो गये तथा रॉक गार्डेन के लिए निकल पड़े।

रॉक गार्डेन जिसका निर्माण नेक चंद के द्वारा किया गया था। आज

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

रॉक गार्डेन के फाउंडर नेक चंद का जन्म दिन था जिस अवसर पर पुरे रॉक गार्डेन को फुलों से सजाया गया था। कुछ कार्यक्रमो का आयोजन किया था साथ ही रॉक गार्डेन काफी चहल पहल थी। यहाँ की कलाकृतियाँ देख मानो मन अत्यंत उत्साहित हो गया था। तरह-तरह पत्थरो की नकासी, चुड़ियों से तरह-तरह के डिजाइन बनाए गए थे जो रॉक गार्डेन में चार चाँद लगा रहे थे। अतः चण्डीगढ़ का रॉक गार्डेन अत्यंत ही मनोरम था काफी देर घुमने के पश्चात् हम सभी को भोजन कराने के लिए एक होटल में गए तथा दोपहर के भोजन के पश्चात् लगभग 7:00 बजे हमें चण्डीगढ़ के शास्त्री मार्केट में शॉपिंग के लिए छोड़ा गया। शॉपिंग के बाद अपने सहपाठियों के साथ मार्केट से निकल कर अपने बस के पास पहुँचे। हम सभी बस में सवार होकर 9:00 pm में काला टाबा के लिए रवाना हो गए जहाँ हमारे रात्रि का भोजन की व्यवस्था की गई थी तथा भोजन के पश्चात्

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

हम सभी पुनः अपनी अपनी गाड़ियों में बैठ चण्डीगढ़ स्टेशन के लिए रवाना हो गए।

हमारा पुरा ग्रुप 10:50 के लगभग चण्डीगढ़ रलवे स्टेशन पर पहुँच गया तथा अपने अपने सामानो के साथ स्टेशन के अंदर प्रवेश कर गए। तथा हमारी ट्रेन रात्रि 1:30 AM की थी इसलिए हम सभी को काफी इंतजार करना पड़ा।

ट्रेन 1:30 में चण्डीगढ़ आ आयी। हम सभी अपना अपना सामान लेकर ट्रेन पर चढ़ गए तथा रात काफी हो गई थी तो हम बिना समय गवाएँ तथा बिना किसी को परेशान किए हम सभी सोने चले गए।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

रात के 8:30 में हमें ट्रेन में रात्रि का भोजन दिया गया। जिसमें दाल चावल, दाल, रोटी सब्जी मिला था। जिसे हमने पेट भर खाया तथा पुरे दिन बैठे होने के कारण हम सभी रात्रि में जल्द ही विश्राम के लिए चले गए।

Attested
Principal
Bharathi College of Education

आठवाँ दिन (Day-8)

स्थान :- सम्बलपुर एक्सप्रेस (ट्रेन)
समय :- 1:35 Am to next दिन
दिनांक :- 16/12/22

हम सभी ट्रेन पर थे। सुबह जब मेरी आँख खुली तो मैंने पाया कि हमारी ट्रेन चण्डीगढ़ से 1:30 Am से खुलकर उबर रास्तो से होते हुए हमारी ट्रेन अपनी निर्धारित समय से आधा घंटे लेट चल रही है। ट्रेन में सुबह 9:30 बजे नाश्ता दिया गया। नाश्ता करने के बाद हम सभी बातें करने लगी तथा अपने ट्रेन की सफर का लुत्फ उठाते हुए हम अपनी मंजिल की ओर बढ़ रहे थे।

रास्ते में बहुत सारे स्टेशन आए और सभी साथ ही निकलते भी गए परन्तु हम अपनी मंजिल तक जाने के लिए ट्रेन पर सवार थे करीब एक बजे हम सभी को दोपहर का भोजन दिया गया।

फिर पुनः हमलोग इंतजार अपनी स्टेशन पहुँचने का करने लगे।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

नौवा दिन Day-9

स्थान :- सम्बलपुर एक्सप्रेस

समय :- All day in train

दिनांक :- 11/12/2022

मैं सुबह जब तो मैंने देखा हम राँची के बहुत करीब आ गए थे। बस कुछ ही घंटो की बात थी फिर हम राँची पहुँच जाते। हमें सुबह 8:20 मैं नाश्ता दिया गया आज हमें वेज और नॉनभेज अलग-अलग सभी को नाश्ता अपने सुविधानुसार दिया गया था। नाश्ता करने के बाद हम सभी अपना-अपना सामान पैक करने लगे ताकि हमारा कोई भी समान ना छुट पाए। और बस कुछ ही देर मैं हमारी ट्रेन पटरियो पर दौड़ती हुई राँची रेलवे स्टेशन पहुचे गए। फिर सभी शिक्षक तथा छात्र-छात्राओ अपने-अपने घर चले आए।

Attested

Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

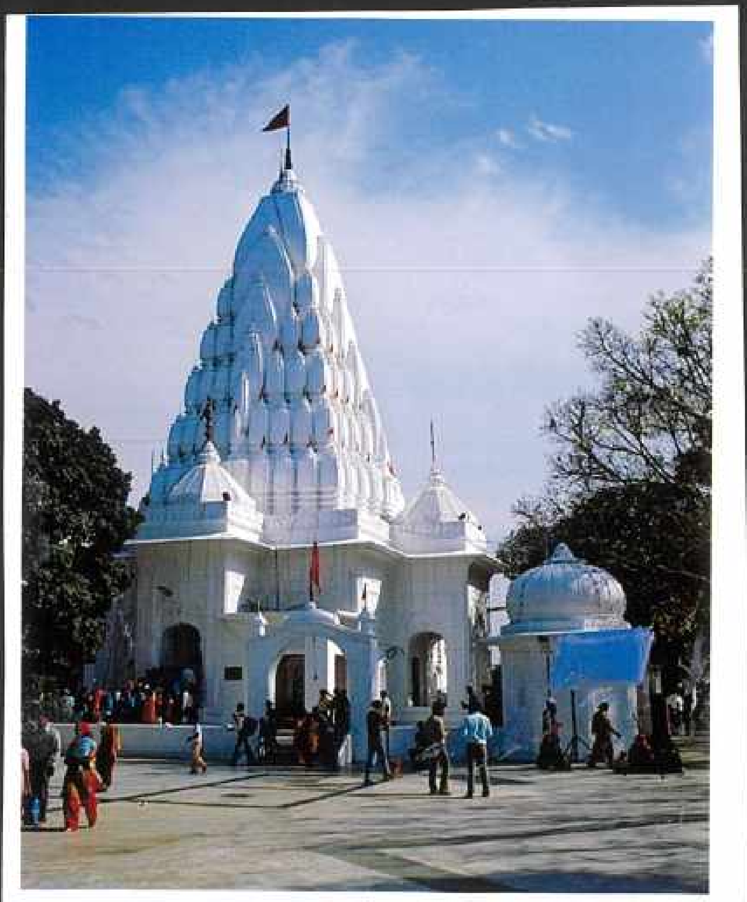

Attested

Principal

मेरा अनुभव

हमारा शैक्षिक भ्रमण बहुत अच्छा रहा वहाँ का सफर काफी आनंददायक और सुखद था। उसकी यादें हमेशा के लिए हमारे मन में बस गयी है। ऐसें तो मनाली को पहाड़ों की मलिका कहा जाता है। परन्तु वहाँ जाने के बाद हमे यह ज्ञात हुआ कि मनाली वास्तव में पहाड़ों की मलिका कहलाने लायक है। बर्फ से ढके ऊँचे ऊँचे पहाड़ों की सुंदरता देखते ही मानो मन को एक आंतरिक शांति की अनुभूति होती थी।

हमारे शिक्षको का भी काफी हमारे इस शैक्षणिक भ्रमण में सहयोग रहा है।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi